



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

2/275  
1/2/275

सं० 254]

मई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 25, 1988/अग्रहायण 4, 1910

No. 254) NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 25, 1988/AGRAHAYANA 4, 1910

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

इस भाग से खेल मूळ संस्पर्श वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

### वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 81 आई टी सी (पी.एन.)/88—91

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1988

**विषय:**—जापान की विवेशी आधिक सहयोग निधि (ओई ई सी एफ) द्वारा विस्तारित आयात गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमीशन लाइन कंट्रोलशन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 43.552 येन विलियन के येन क्रेडिट के प्रधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आई पीस सी/23(49)/88—91, जापान की विवेशी आधिक सहयोग निधि (ओई ई सी एफ) द्वारा विस्तारित आयात गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमीशन लाइन कंट्रोलशन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 43.552 येन विलियन के येन क्रेडिट के प्रधीन आयात को शासित करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए भविष्युचित की जाती हैं।

### हस्ताक्षरित

के, बी. इरनीराया, मुख्य नियंत्रक,  
आयात-नियंत्रण

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 81 आई टी सी (पी.एन.)/88—91 दिनांक 25-11-88 का परिशिष्ट

जापान को विवेशी आधिक सहयोग निधि (ओई ई सी एफ), द्वारा प्रदान किए गए आयात गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमीशन लाइन कंट्रोलशन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 43.552 येन विलियन के येन क्रेडिट के प्रधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

I. (i) असम गैस टरबाइन पावर स्टेशन और नीपको की ट्रांसमीशन लाइन कंट्रोलशन परियोजना के कार्यान्वयन के लिए जापान सरकार ने ओई ई सी एफ, द्वारा 43.552 येन विलियन के येन क्रेडिट प्रदान किया है, जिसका विवरण निम्न प्रकार से है :—

(i) ओई ई सी एफ छृण सं. आई टी पी 42,	30,000 येन विलियम
(ii) ओई ई सी एफ छृण नं. आई टी 46,	13.552 येन विलियम

कुल

43.552 येन विलियम

परियोजना की आयात आवश्यकताओं का विस्तोषण करने के लिए जापान की विवेशी आधिक सहयोग निधि (ओई ई सी एफ) द्वारा विधा गया 43.552 विलियन येन का येन क्रेडिट जापान और भारत सहित विकासशील देशों के लिए छुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के प्रधीन

परिव्रास की जाने वाले माल और सेवायें आपान और भगवन्न-१ की सूची में उद्दत (भारत सहित) सभी देशों से आयात की जा सकती है। ऐसे देश इस अरुणा के मंत्रगत मात्र स्रोत देख होंगे।

I. (ii) फ्रेंडट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के सिर्फ़ लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पुंजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से नियमी कर दी गई हो। इस फ्रेंडट के अधीन जारी किए गए भायात लाइसेंस (मो) येन का मूल्य 47,907 विनियम (लागत-बीमा भाषा) येन में अधिक नहीं होता आहिए।

आयात लाइसेंस का रुपए में मूल्य, राजस्व विभाग (मीमांसुक) द्वारा प्रधिकृत विभिन्न दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रभावित दर और मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78 घाई टी सी (पी एन) 74, विनांक 6 जून, 1974 के द्वारा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि मीमांसुक प्राधिकारी द्वारा विदेशी सूदा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सों) में विनिष्टित सूदा विनियम दर पर लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक भीषण “आपारी बेत शृण सं. 42/घाई टी पी-46” होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए आइसेंस में “एस/जे सी” कोड होगा भीपको को आयात लाइसेंस भेजते समय मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के तरह में भी इसे दूहराया जाएगा, जिसको एक प्रति वित्त भवालय प्राधिक कार्यालय (जापान ब्रिटेन) में पठाकित की जाती चाहिए।

I. (iii) लागत बीमा-भाड़ा के भावधार पर फेवल नोपको के भास में घायात साइर्सें जारी किया जा सकता ।

I. (iv) भारत की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से प्रधिक भाग नाहरेंस इस क्रेटिक के भवित्व में आरी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल सूच्य येन 47.907 लियन (लागत द्वीपा भाड़ा) येन से यथिक भर्ती होता बाहिए जैसा कि उपर ऐरा (2) में बताया गया है।

I. (v) आयात लाइसेंस की वैधता में यूद्ध आयातक हारा प्रावेदन करने पर 12 महीनों की ओर आगे की अवधि तक बीं जा सकती है। याते और यूद्ध करने के लिए सभा आयात लाइसेंस जारी करने के लिए विविध कोई प्रावेदन हो तो उसे प्राथिक कार्य विभाग (आपास भनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

L (vi) केंटिके अधीन वित्तान किए जाने वाले मायात/मायात सार्वसेव प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संलग्न माल और सेवामों की सची तक प्रतिविधि है।

I. (viii) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेक्षण की प्रत्युमति भारतीय भास्त्रसेस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कर्तीशन के प्रति कोई सुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रूपए में किया जाना चाहिए। सेतिन, ऐसे सुगतान लाइसेस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1. (viii) पक्के प्रादेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर निःशुल्क /क्रामत और भाड़ा के प्रामार पर पर दिए जाने चाहिए और वे आयात साइसेंस आरी होने की तिथि से 4 महीनों की प्रवधि के सीतर प्रार्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए । भाड़ा बीमा प्रमार का अनुतात मार्टियर घण्टे में भारत देश होगा । "पक्के धारेशों" का शब्द विदेशी संभरकों को भारतीय साइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रम प्रादेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्रम संविदा होगा । विदेशी संभरक द्वारा भारतीय अभिकर्ताओं के प्रादेश या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण प्रादेश स्वीकार्य नहीं है ।

I. (ix) चार महीनों की प्रवधि के भीतर टेकों की इस सर्त का तब सक्षम प्रतिपादन किया गया मर्ही समाज आएगा अब तक कि टेके के

पूर्ण दस्तावेज़ आयात लाइसेंस आरी सुनेने की तिथि से बार महीने के भीतर वित्त मंडालय, प्राधिक कार्य विभाग, डॉक्टर है-1 अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा-1 (8) में यथा उल्लिखित पक्के आवेदन बार महीनों के भीतर वैध कारणों से जहाँ दिए जा सकते हैं तो बार महीनों के भीतर प्रावेदन करों भी विए जा सकते हैं इन कारणों का उल्लेख करते हुए साइर्सेसधारी को आयात लाइसेंस को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना आहिए। आवेदन देने की प्रवधि में धृष्टि के लिए ऐसे शावेदारों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पालना के प्राधार पर विचार किया जाएगा। वे प्रधिक से प्रधिकवार महीनों की और प्रवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से प्राधिक के लिए भागी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंडालय, प्राधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ लाक, नई विल्सी को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रयोक मामले की पालना के प्राधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय साइर्सेस प्राधिकारियों की भेजेंगे। जिसको वे साइर्सेसधारी को प्रेषित करेंगे। साइर्सेसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पक्क प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदधिकारी आयात लाइसेंस के प्रधिन किए गए संभरण ठेकों में बैक गारण्टी साझेपत स्थापित करने के लिए प्राधिकार पक्क तुल्य उपया अमा कराने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

I. (x) मायात लास्टेंस की भमा त्र से बार महिने के भीतर सभी भुगतान प्रवर्ष्य पूँज कर देने चाहिए। माल के पोतलवान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद भाग्यार पर अर्थात् पोतलवान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद भाग्यार पर अर्थात् पोतलवान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से आरती आयातक को किसी भी किम्ब को अण सुविधा उपलब्ध करने की मनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की प्रवधि के भीतर ठेके में निम्न-सिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"साथ पत्र की प्राप्ति के बाद ————— महीने परन्तु प्रथिक से प्रथिक ————— के अंत तक पूर्ण किया जाता है।

पोतालदाम के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का व्यापार रखना चाहिए कि यह तिथि 31.12.1992 के बाद की न हो। अण्ड-2 संभवरण ठेके का समझौता करने समय व्याप में रखी जाने वाली विशेष बातें :—

2(1) ठेका का जाहज पर्यन्त निःशुल्क सूच्य येत मे (येन की प्रियम वे बिना) प्रभिष्यक्त होने जाहिए और इसमे भारतीय प्रभिकर्ता का कर्दीशन यथि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना जाहिए जो कि भारतीय रूपए में उकासा भाहिए।

भारतीय रूपए या किसी अन्य मुद्रा में लेके का, मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्य प्रादेश और संभरक द्वारा पृष्ठिकरण प्रादेश केवल परिजी में होना चाहिए।

2(2) व्यापा की रकम से विशेषित किए जाने वाले सभी मास के प्रौद्योगिक व्यष्टि के अन्तर्गत अधिकारित के लिए यांच दृष्टि विमुद्धों भनसार निमन्मित्तित सम्प्रकर शर्तों के साथ किए जाएँ : -

(क) कम से कम 500 भिसियन येस के अनुमानित मूल्य के माले और सेवाओं स्रोतों की प्रष्ठिप्राप्ति के माले में:-

(1) यदि पूर्वदर्श सहित ग्रामवारिक छुली मन्तरालीय मिथिदा से अधिकारियों की प्रतिशत का विकल्प लिया जाता है तो उसकी पहली के मनुमोदन के लिए घोर्स मी एक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व ग्रामवाचन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सकृद धोलीकार को नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट महिल निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओर इसी एक को प्रस्तुत किया जाता है। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व भ्रातृका की मूल्यांकन रिपोर्ट बोलीकार को शिख गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित टेका विशिष्टिकरण और इंग्रजी और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओर इसी एक को भी फुर्तीका के लिए प्रस्तुत किए जाएं।

(ख) 500 बिलियन येन से कम अनुमानित भूम्य के माल और सेवाओं की अधिकृति के मामले में उके के निर्णय के लिए ओर इसी एक के पूर्व अनुमोदन की इस पत्र पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खेपें उचित रूप से विरक्तिकी गई हों। नेकिन यदि ओर इसी एक अनुरोध करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट यादि उसको पुनरीका के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) जब परमर्शदाताओं फर्मों की नियुक्ति की जाए तो ऐसी फर्मों निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा करेंगी:—

- (1) दिए गए शेयरों का मुक्य भाग पात्र स्रोत देशों के नागरिकों के होने चाहिए।
- (2) पूर्णकालिक निदेशकों में से अधिकतर पात्र स्रोत देशों के नागरिक होने चाहिए।
- (3) ऐसी फर्मों पात्र देशों में शामिल होने चाहिए और पंजीकृत होनी चाहिए।

(घ) परामर्शदाताओं की नियुक्ति के लिए निम्नलिखित धन्तवेजों के लिए ओर इसी एक का पूर्व अनुमोदन भी प्राप्त कर लेना चाहिए:—

- (1) संदर्भ की शर्तें
- (2) परामर्शदाताओं की संधिपत्र सूची
- (3) आमंत्रण-पत्र
- (4) संकेप मूल्यांकन शीट सहित भूम्यांकन रिपोर्ट शूफ्ट संविदा
- (5) शूफ्ट संविदा

(ङ.) निम्नलिखित घोषणा जो परामर्शदाता का पात्रता के बारे में है परामर्शदाता द्वारा हस्ताक्षरित किया दृग्गत्र और सारी अंकित किया दृग्गत्र प्रत्येक संविदा के साथ लगाया जाएगा:—

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि \_\_\_\_\_ (फर्म) का नाम \_\_\_\_\_ (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में शामिल की गई है, और पंजीकृत है और वह \_\_\_\_\_ संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम (के राष्ट्रिकों द्वारा रखे गए समर्पित शरणों की \_\_\_\_\_ प्रतिशत) की पात्र परामर्शदाती फर्म है और वह (संबंधित पात्र स्रोत देशों का नाम) के राष्ट्रिकों होने के नाते पूर्णकालिक निवेशकों का \_\_\_\_\_ प्रतिशत (./.) है।

(च) आयातक उपर्युक्त (क) (1), (क), (2) और (ख) और (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/वस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओर इसी एक को मंजूरी जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उसके नाम में भारतीय बैंक दोकियों द्वारा 1985-86 के लिए ओर इसी एक द्वे क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी 42 के अधीन स्वेच्छा आर्थिकतानीय साझ-पत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। आइरा नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात वाइसेस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। यिसमें लिए आयात वाइसेस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाइं वित्तनालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनु-भाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

### 2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा भासित वैध व्यक्ति हो।

### 2(6) आयात ओत देशों से प्रन्त्रये प्रायात

जिन वस्तुओं में भ्रातृत्व स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका विचारन किया जा रहता है वर्तमान कि निम्नलिखित सूच के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एक का भूम्य प्रदातार आधार पर आयातित का 30 प्रतिशत से कम हों:—

आयातित सागत बीमा भाड़ा आयात भूम्य

$\times 100$

संभरक का जहाज पर नि. भूम्य भूम्य

(भारतीय संभरक के मामले में, कारखाना मूल्य अपनाया जाएगा)

### 2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी:—

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल \_\_\_\_\_ (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

“मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि \_\_\_\_\_ (पात्र स्रोत देश का नाम) में \_\_\_\_\_ (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो जुकी है।

आइड-3 संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें:

3(1) संभरकों ठेकों में निम्नलिखित आवधात विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेकों की व्यवस्था भारत नरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निवि (ओर इसी एक) के बीच आसाम गैर टरकाइन पावर म्टेशन और द्रांगमिशन भिष्टन लाइन फंस्ट्रॉक्यून परियोजना के लिए येन केंटिट सं. आई डी पी-42 और आई डी पी 46 दिनांक 10.2.88 (परियोजना सहायता) से संबंधित 18 मार्च, 1987 को हुई छूट समझौते के अनुसार होगी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निवि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निवि (ओर इसी एक) के बीच आसाम गैर टरकाइन पावर म्टेशन और द्रांगमिशन भिष्टन लाइन फंस्ट्रॉक्यून परियोजना के लिए येन केंटिट सं. आई डी पी 42 से संबंधित 18 मार्च, 1987 को हुई छूट समझौते के मन्त्रालय बैंक आप इंडिया ट्रोकियों द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साझेपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और इस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहभत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओर इसी एक द्वारा येन छूट के अधीन अपेक्षित हों।

### (घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र प्रमाण पत्र (लीन प्रतियों में)

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरण संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय द्रांगमान, ट्रोकियों के परामर्श पर पोत परियोजना व्यवस्था करने के लिए

सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल माल की सुपुर्गी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास की सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विवेश मामलों में जहाँ भारतीय आयातक हज़ारुक हो, रुचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् भावश्यक ब्यौरे खेते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

#### खण्ड-4 ओई सी एफ द्वारा ठेके की पुनरीक्षा :

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निश्चित घटनाक्रम के भीतर आयातक और विवेशी संभरकों दोनों के द्वारा विविध व्यवस्था द्वारा लिखित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगत बैंक आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियों प्राप्तिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय वस्तु के लिए अनियार्थ आशोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कोमर्तों पर भी लागू होगी।

4(3) विस मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओई सी एफ की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक एक प्रति आधिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कारी और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” की एक प्रति के साथ सीएएफए के कार्यालय को भेजेगा।

#### खण्ड-5 विवेशी संभरकों को भुगतान-साथ पत्र क्रियाविधि :

5(1) विल मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज़ प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा की टोकियो दूतावास की संबोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में विए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा। जिसमें बैंक आफ इंडिया की टोकियो बांच संबद्ध विवेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र छोड़ेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओई सी एफ भारतीय दूतावास टोकियो, आधिक कार्य विभाग, विस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र भिले पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विवेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साख पत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विवेशी आधिक सहायोग निधि (ओई सी एफ) भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

‘सी ए ए एफ ए से प्राधिकार पत्र के आधार पर साथ खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक ममकों जाने वाले ऐने सभी प्राधिकार पत्र साथ पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू हींगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विवेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उत्सवान दस्तावेज़ भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा और वह दस्तावेज़ में उत्सवान घनराशि को विवेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की सागत की घनराशि की प्रतिपूर्ति विवेशी आधिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साथ पत्र खोलने, उनके घटीन स्थित करने और यदि कोई विवेशी संभरकों के बैंकों के आध्य प्रभारी के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक विवेशी संभरकों द्वारा छुकाए

जायेगे। संविदा भूल के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर घनराशि की प्राप्ति होने पर ओई सी एफ द्वारा एक बचतबद्धता पत्र जारी किया जाएगा। यह घनराशि ओई सी एफ द्वारा (जून निधियों से स्वतः घना की जाएगी)।

आयातक को ओई सी एफ से या लेखा परीक्षा नियंत्रक, विस मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर बचतबद्धता खर्च के इस पत्र के तुल्य रूप या भारत सरकार के लेखे में जमा करना पड़ेगा। ओई सी एफ को भुगतान की निधि से और रुपया जमा करने की निधि तक (दोनों दिन मिलाकर) का व्याज भी आयातक ज्ञात द्वारा किया जाएगा।

आयातक द्वारा इस प्रकार 0.10 प्रतिशत के खर्च भी प्रतिपूर्ति प्रक्रिया के भीतर देय है। विवेशी संभरकों आयातों की सागत के भुगतान की निधि से ओई सी एफ द्वारा प्रतिपूर्ति को लागत तक की गिने जाने वाली अवधि के लिए भारतीय बैंक, टोकियो को देय व्याज के खर्च भारत के संबद्ध आयातक बैंक द्वारा भारत के लेखे को प्रभारित किए जिन सामूह्य बैंकिंग बैंक द्वारा भारत में आध्यम से भारतीय बैंक, टोकियो को देकरके तथ्य किया जाएगा।

#### 5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया जून समझौते की प्रति पूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

#### खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व :

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिमित में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकार बैंकर को निरपवाद इप से परकार्य जहाज रामी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चित करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक मई विल्सन द्वारा भारतीय स्टेट बैंक द्वारा हुआरी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए समय-समय पर से बालू वर्तमान 12 प्रतिशत के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समतुल्य रूपये के लिए व्याज प्रभार और उससे अधिक भी अवधि के लिए वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विवेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी भूल घमराणी के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31 आईटी सी (पी एन)/83. दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा करने पड़ेगे। इस बात को भौट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों विनों अधिकत जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और भार्याईनिक सूचना सं. 31-आईटी सी (पी एन)/83 दिनांक 10-9-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज लिया जाएगा।

आयातक की संभरक को किए गए भुगतान की घनराशि और तारीख का नियन्त्रण करने के लिए सहायता द्वारा व्यवस्था करनी चाहिए। भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन प्राप्त वस्ताविक संभरकों की द्वितीय से प्राप्तिक को लेखा परीक्षक को देय व्याज की आधिक भूल पूरी घनराशि की छूट के लिए स्वीकार महीने किया जाएगा। विवेशी संभरक भी किए गए देय भुगतान के समतुल्य रूपये की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 108-आईटी सी (पी एन)/74 दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आईटी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तारीख के अनुसार निश्चित की गई हो जो भूल नियंत्रक आयात निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिवर्ती के माध्यम से सहकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कीर्ति परिवर्तन भावश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय घनराशि आयातकों को

आयात सरकारी सौंपने से पहले भरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयात को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वेष्य घनराणि अपने भ्रणदाताओं से दस्तावेजों की सुरक्षित लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित भरने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी। कि यह घनराणि सरकार खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमा गृहक प्राधिकारियों से माल की सुरक्षित मूल दस्तावेजों के बिना प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को वैयक्त घनराणि के माल की सुरक्षित से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पक्का देना बंधव दिया कर जाए और मामले को रिपोर्ट मूँछ नियंत्रक, आयात-नियंत्रित को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को भागे भी और आयात लाइसेंस आने न किए जाएं। जिस लेखा जोवै में उत्तरांश दाया निशेष किया जाएगा वह (के विपेक्षित एवं एड एड्यूसिज-8-43) विविल छिपागिट्टन फार परवे जिम घटस्ट्रू एंडर कोर्ट्स लॉन एसीमेंट्स) लान फोम दि गवर्नर्मेंट आफ आयात येन कोर्ट से आई डी पी 42 आई डी पी-46 फार दि आसाम गेस टरक्काइन पावर स्टेशन एवं ट्रांसफिशन लाइन केन्ट्स्ट्रेशन प्रोजेक्ट होना चाहिए।

6(2) ऊर उल्लिखित घनराणि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई विल्सी में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीसहारी विल्सी में आलाम के कपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देने हुए सरकार की भाष्य में सार्वजनिक भूमि सं. 184-आईटीसी (पीएन) 68 दिनांक 24-10-1968, सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-71, सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-75 में यथानिवारित करके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भेंट भारत में आयातक का बैंक भी ऊर निर्वाचित नरीकों से यह अतिरिक्त घनराणि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के विमित्त कासमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर देना चाहिए कि सार्वजनिक भूमि सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा-2 में निर्धारित भूमि सं. चालान के कालाम "घन परेशन भी और प्राधिकारी" (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्यारे में निरपवाव रूप से विविष्ट किए गए हैं। ब्याजाना चालान में निम्ननिश्चित ब्यारे निरपवाव रूप से प्रस्तुत करने जाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पक्का की संख्या और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की वह घनराणि जिसके बंध में अपनाई गई परियोजना की दर के साथ निशेष किए जाने हैं।
- (ग) विवेशी संभरक को भुगतान करने की नियम।

उसके पश्चात् सी एए एड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पक्का का संबंध देते हुए और बीजक तथा पीत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए ब्याजाना चालान रूपमा जमा करने का साध्य देते हुए पंजीकृत भाक द्वारा सी एए एड ए द्वारा को भेजा जाना चाहिए।

**टिप्पणी:**— भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए के बाप्ते का निशेष भारतीय रिजर्व बैंक टोकियो भी प्रदायनी की सूचना भी और अपरिवर्तीय पोस्तलान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाव रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी एए एड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को भूवित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रावित्तिय नियमण प्रति पर रूपमा निशेषों की घनराणि का पूँछाकरन करना चाहिए और प्रतिवित्त "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

#### बाण्ड 8-विविध घवस्थाएं

8(1) आवात साइमेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट।

आयातक का पोतलदान और उसके शर्धीन मिए गए भगतान भी रेप घनराणि के बारे में साथपत्र खोल्से ये बाद एक सारिक रिपोर्ट सहायता देखा एवं लेता परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक वार्षी विभाग, वित्त मंत्रालय, मूसीओ और विलिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) समरकों को विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचिय करना।

लाइसेंसधारी के आयात साइमेंस में दिए गए किसी उप विशेष उप-बद्धों से संभरक को प्रवापत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव बालते हैं।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा जो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं देगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में भुगतान की शर्तों के अन्तर्भूत घण्टी तरह से स्पष्ट कर देनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के विपाटान से संबंध अवस्थाएं घासिल होनी चाहिए।

8(4) भविष्य में अनुदेश आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ जाए होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन कोर्ट समझिते (परियोजना सहायता) सं. आईटीसी-42 और आई डी पी-46 के अधीन सभी स्थानों आमतांत्रों को विदेशी आर्थिक निविधि, आपान (ओई सी एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों, अनुदेशों, या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) भविकमण या उत्तरांश

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के भविकमण या उत्तरांश करने पर आयात-नियांत्रित (नियोजन) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाए।

8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पाव लोत देशों की सूची।
2. अनुबन्ध-2 प्राधिकारपत्र जारी करने के लिए अनुरोध।
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकारपत्र का प्रपत्र।
4. अनुबन्ध-4 साथपत्र का प्रपत्र (आस्तविक आमतांत्रों के लिए साझा)।
5. अनुबन्ध-5 साथपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए साझा)।

अनुबन्ध-1

पास: देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके ओड़।

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश।

1. अफ़गानिस्तान, उत्तरी सहारा मिश्न

2. अफ़गानिस्तान, दक्षिणी सहारा

प्रोटोला

केमेन

चाउ

मध्य गिर्मी (1)

धाना

कीमिया

मालागासी गणतंत्र

मारितनिया, मारीशस

पुतिगासी गिर्मी रि

टोण्डा

सेमेगल से  
सोयाजियम  
टेरी आफर्स औह प्रस्ताव  
तंजानिया गणतंत्र गंभ  
जाम्बिया  
मोरोको  
बात्सवाना  
केप वर्डी द्वीप समूह  
कमोरो द्वीप समूह  
इथोपिया  
गिनी  
लेसोथो  
मालावी  
मुज़म्बिक  
रियूनियम  
सेन्ट हेलिना और  
बेप (2)  
सेचिनिय  
सूडान  
टोगो  
प्रपर थोल्टा  
तुर्कीयिया  
वूरष्टी  
केन्द्रीय प्राफ़ीका गणतंत्र  
कोरो, राहोसे का गणतंत्र  
जाम्बिया  
आइवेरी कोस्ट  
लाइबेरिया  
माली  
नाइजेर  
रोडेशिया  
लाप्पो टोस और  
प्रिस्तम  
सिपारा लिङ्गोन  
स्वाजीलैण्ड  
यूगान्डा  
जाइरो गणतंत्र

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय  
बेहमान  
बरमूडा  
डोमिनिकन गणतंत्र  
ग्वाटेमाला  
जमैका  
नीदरलैंड प्रिंटीज  
आरबांडोज  
कोस्टारिका  
एल सालशाओर  
हेती  
माटिनिक  
मिक्रोगुआ  
बेलाइज  
न्यूयार  
गुयाने सो  
हान्डरस  
मैक्रिसोंडो  
पतामा

सेन्ट पियरो और मिक्रोसान ट्रॉनीबाह और टोकागो, बेस्ट इंडोज (शारा)-  
एचमार्ट्टि।

- (क) सह-संघद राज्य (1)  
(ख) अधिकृत (2)

(1) पहले गिनी का प्रदेश, फोरेन्डा पो द्वीप समूह

(2) निम्नलिखित द्वीपों महित:—

मसेम्बन, स्टन्डा इन एसोसिएजन, लाइटिनोलै, गक।

(3) मुख्य द्वीप समूह, भरवा, मोनाहरे, बूरकोओ, माहा, सेन्ट

#### 4. अक्षणी अमेरिका

अमेरिकीना  
गिनी  
फेन्च गुयाना  
पीह  
बोलिभिया  
कोलंबिया  
गुयाना  
सुरिनाम  
ब्राजील  
फाल्क बैंड द्वीप समूह  
पराम्बे  
अहवे

#### 5. मध्य पूर्वी एशिया

बेहरीन  
लेबनान  
यूनाइटेड प्रख्य अमिरात (3)  
अमराइल  
ओमन  
यमन प्रख्य गणतंत्र  
जोड़न  
लिडियाई प्रख्य गणतंत्र  
यूमन जनवादी का डी.  
मार. (4)

#### 6. दक्षिण एशिया

भाकानिस्तान  
बर्मा  
नेपाल  
बोगला देश  
भारत  
पाकिस्तान  
भूटान  
माल द्वीप  
श्री लंका

#### 7. दक्षिण पूर्वी एशिया

बरनी  
कोरिया गणतंत्र  
मलेशिया  
ताइवान  
दि तनाम गणतंत्र  
क्षांगकोंग  
लाओस  
फिलिपाइन  
याइलैंड

विधयतनाम देश गणतंत्र  
बंगलौर, गणतंत्र  
मकांगो  
सिंगापुर  
तिमोर

## 8. ओमिनिया

कोक द्वीप समूह  
फेफिसी पोलिनीशिया (5)  
न्यू इंग्रिसिस (जि. औरफ)  
पापुआ न्यू गिनी  
वालिस और पूसुना  
फिझी  
नार  
नियू  
सोलोमन द्वीप समूह (बा.)  
पश्चिमी सागोथा  
गिल्बर्ट और इलाइस  
द्वीप।  
नूकेलेन्होनिया  
पौलिनिक द्वीप समूह  
संयुक्त राज्य (6)  
टोंगा

## 9. यूरोप

साइप्रेस  
माल्टा  
यूगोस्लाविया  
विज्ञास्टर  
स्वेन  
द्वीक  
तुर्की

1. मुख्य द्वीप एस्ट्रियुवा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेस्ट किट्स (सेस्ट किट्सटो-फो) नेविस-बंगुइला, सेन्ट नुसिया और सेन्ट विसेन्ट।
- (2) येन आइलैण्ड, मोस्टेसरत, सेमान, तुर्की और काइकोम और त्रिटिया वरचिन द्वीप समूह।
- (3) प्रजमन, द्वार्वा, कुजाइरन, रान थन तेमाह, चरजाह और उम प्रल नवें।
- (4) मवम और विभिन्न मलतनत और ग्रनीटात सहित।
- (5) सोलायटी आई लेस बमूह (ताहियी सहित) को मामिन करते हुए प्रास्ट्रन द्वीप समूह, टुमामोट, जाम्बियर मुप और माकेसव द्वीप समूह।
- (6) वैसिफिक द्वीप समूह की द्रस्ट प्रवेश, कारोबीन द्वीप समूह, मार्वेल द्वीप समूह और गेरिना द्वीप समूह (नाम को छोड़कर)।

(क-2) ओ. पी. ई. सी. देशों के संघ के सदस्य देश।

## प्रालंभीरिया

गेबेन  
गेनेप्यमा  
कुवैत  
आबू-आबी  
बोलिविया  
नाइजीरिया  
ईरान  
कतार  
इडोनेशिया  
लोनियाई प्रश्न गणतंत्र  
इष्बेदोर  
ईराक  
सउदी प्रश्न

## प्रानुष्ठ-2

## प्राधिकार पत्र आरी करने के लिए

## प्रार्थना-पत्र

संघरा..... विमान.....

सेवा में,

सहायता, लेका सथा लेका परीया नियंत्रणक,  
वित्त संकालन,  
आर्थिक कार्य विभाग,  
गृ. सी. औ. बैंक विल्डिंग, प्रधम मंत्रिय,  
पालियावेंट स्ट्रीट, नई विल्सी-110001.

विषय :—येन क्रेडिट सं. आई डी पी— (परियोजना  
सहायता) 198-8 के प्रार्थनात आपान से का आयात।

प्रार्थना,

उपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी— (परियोजना सहायता) के घटीत ----- से ----- के आयात के संबंध में ----- (बैंक का नाम) ----- जो कि वही होना चाहिए जो नीचे (d) में सम्बद्ध संमुद्रनाम संभरक के नाम में साज पत्र खोलने के लिए दिया गया है, कि प्राधिकार पत्र कारी करते के लिए हम प्राप्तको निम्नविधि और प्रत्युत लगाए हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात साइरेंस मंत्र्या, वित्तीक और मूल्य और वह तारीख वित तक वैध है।
- (ग) प्राप्ति के तरीके ----- का वह सीधकत्व या अपेक्षाकृत भूते यात्तराष्ट्रीय नियिता पर आवारित है। इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो आरण सहित यह संकेतिक होना चाहिए कि क्या संकेत का विर्य उत्पन्न स्थूलतम् तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

- (ब) माल का संविदा विवरण।
- (क) माल का उत्पम देश।
- (क) यदि कोई हो तो पात्र से इतर श्रोत द्वयों से आपानित संभरकों का प्रतिग्रह।
- (छ) संविदा का कुप्रजहाज पर निशुल्क लागत और माला मूल्य (येन में)।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (झ) बास्तविक जहाज पर निशुल्क/लागत और माला मूल्य (येन में) जिनके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ज) समृद्ध पार के संभरकों के साथ की नई संविदा की संवया एवं दिवाक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।
- (ठ) वे भुगतान जर्ते और मंभावित तिथियाँ। जिनको संविदा के अस्तरात भुगतान देय होंगी।
- (इ) सुपुर्खी को पूर्ण करने की प्रत्याधित तिथि।
- (ए) दैक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए)।
- (ग) पोतलदान अनुदेश (आहनास्तरण/पार्ट-डिपोर्ट) को अनुमति शी गई है या नहीं निविड़ कीविए।)
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अस्तरात संविदा (संविदाएँ) कर दी गई है और आनन्दी प्राधिकारियों को अधिकूपित कर दिया गया है, यदि हो तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, विनांक और मूल्य और वित्त मंभालय का वह संवर्भ जिसके अस्तरात ओ.ई.सी.एफ. को इसे अधिकूपित किया गया है।
- (द) क्या साथ-त्रय के संभालन और रथ-रखाश के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो, को देय बैंक खर्च आयातकों या संभरकों द्वारा बहुत किए जाने हैं।

(घ) आयातक द्वारा बचतदान:—

“हम एकद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और देश में विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रूपए को पूरा और सही जमा करने का बचत देते हैं। प्रत्येक निकेय माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्खी जीवने से पूर्व तकाल ही धनराशियों जमा कराई जाती है। विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामलों में यिए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के समबद्ध बैंक द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, त्यों ही धनराशियों जमा करा दी जाए।

अनुबन्ध-3

सं. एफ. ....,

भारत सरकार  
वित्त मंभालय  
आधिकारीक वार्षिक विभाग  
नई दिल्ली,

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)।

विचय:—येन फ्रेंडिट (परियोजना सहायता) व्यवहार सं. प्राई डी पी-के अधीन आयात साथ-त्रय खोलों के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।  
भिन्न महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-3-1980 को दिए गए समझौते की जाती के अनुसार आपकी एकद्वारा यथा संलग्न घोरे के अनुगार संबंधी  
— के नाम में — येन धनराशि के लिए प्रतिरितीय साथपत्र खोलों के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोलों गए प्रत्येक साथपत्र की प्रति आयातक के बैंक द्वारा ही सी एक भारतीय दूतावास टोकियो और हमें पृष्ठाकृत नी जाए।

3. साथपत्र की जाती के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निविड़ से किया जाएगा। भुगतान के साथ द्वारा ही सी एक को आयातक वस्ता देख कर लिए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तकाल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपको (आयातक प्रक्रिया बैंकर का नाम और पता) को मूल पोतलदान परिवहन दस्तावेज़ (मोल सोल पाले) और अस्तिरिक्ष दस्तावेजों का पूर्ण सेट और मनव भुगतान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरक को किए गए भुगतानों के लिए बैंकिट एडवाइस की एक प्रति जेजनी जाहिए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको देय व्यापक प्रभार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के सेवों को किए विभा सामान्य बैंकिंग सुविधाओं के माध्यम से भारत में आयातक के संबद्ध बैंक के साथ किया जाएगा। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साथपत्र खोलों रथ-रखाश करने और साथपत्रों को जारी रखने के लिए खर्च भी शामिल है व्योंकि वे भी परकार्य दस्तावेजों के संभालन से संबंधित हैं और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के खर्चों भी विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उहें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ.ई.सी.एफ. में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रयत्न में इस मंभालय को भेज दी जाती जाहिए।

७. यह प्राधिकार पक्ष सम्प्रपार संभरकों के नाम में साथ पक्ष खोलने के लिए है इस मत्तात्व के लिशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मद्देयों गया आगे के नए साहात्व या साखपत्रों में आदि में संशोधनों का अनुपालन नहीं किया जायगा।

१०. यह प्राधिकार पवि.....तक वैध रहेगा।

५. कुपादा टेके से मंदिरिल भरी पत्तात्वारों में और भुगतान प्रदर्शित करने वाली एकत्राहस में भी प्रस्तुत अनुदेश पत्र के जीर्ण पर यह गई संक्षया का हल्लाना चै.

भवदीय  
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उनके पत्र में  
दिया है के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रख्या निश्चय आदि जमा कराने का प्रबन्ध करें। अगवाइ परिस्थितियों के रूप में यदि माल की डिलीवरी सीधे ही सीमांशुलक और पतत प्राविकारियों से मूल पोतलबाज दस्तावेज भेजे गिना हो प्राप्त कर यी जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निश्चय किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रियों द्वारा ही गई सेवाओं के लिए भाग्यात के गापत में ऐसे ही संबद्ध वीजक भूमतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निश्चय कर दिय जाएं। निश्चय शीघ्रता और उचित रूप से न करने पर लाइसेन्सों के घटनागार धारावार्ध की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंकर.....की यह आयात लाइसेंस.....दिनांक.....के संदर्भ में है। यह प्राप्तिकार पश्च येत शेडिट के धड़ान यायामों को नियंत्रित करने वाली संवंधित लाइसेंस शरौं के अन्तर्गत जारी किया जाता है। क्यूंकि लाइसेंस शरौं और संबंधित सार्वजनिक समस्या/आदेश का अधिकोक्त विद्या जाए और आयातविदेशी भवतानों में संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

(2) उनमें निवेदन किया जाता है कि बैक भ्राफ इंडिया, टोकियो फ्लांच से वस्तावेज प्राप्ति करने पर विदेशी संभरक को येत भुगतान के घरावर रापा जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बगवर रपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई.टी.सी. (पीएन)/76, विनाक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो ममय-ममय पर जारी की जाए के प्रत्युत्तर संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रविष्ट परिवर्तन को पिछिर दर पर की जाएगी प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक मध्यधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से आज जो कि संभरक को भुगतान की तरीख से बाक इंडिया को प्रतिसूचित की तरीख और जब समतुल्य रपए भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो प्रविष्टियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उन्हें यो सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राइटीवी(पीएन)/83 विनाक 10-8-83 के प्रत्युत्तर भारत सरकार के लेखों में जमा कराना अनिवार्य है। आज दोनों दिनों के लिए देख है, अर्थात् यह तारीख जिसी विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रखता जाता जाता है। (जब सो इव दर में परिवर्तन किया जाएगा उन्हें सूचित कर दिया जाएगा) यह सूचितिवत कर देना चाहिए कि प्रायानक की सीमा शूलक नियमों के लिए भारत दमतवेशों का मत में विए जाते में पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराणिया या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दरवाजे पर लगा रखते थे। इस संबंध में उनका व्यापक सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी(पीएन) /68, दिनांक 30-8-68, 233-आईटी (पीएन) /68, दिनांक 21-10-1968 132-आईटी गी(पीएन) /71, दिनांक 5-10-71 यं. 74-आईटीसी(पीएन) /74, दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103-आईटीसी(पीएन) /76, दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्राचलनों की ओर दिया जाता है। वह लेडा शीर्ष जिसमें शामा करना है "के डिपोजिट्स एण्ड अकाउंट्स-813-सिविल डिवाजिट्स-डिवाजिट्स कार परवेंशिंग पट्टेड्रा अप्रोड एंड परवेंशिंग अन्ड क्रेडिट/तोन पर्सोनेट्स लोन क्रोम दी गवर्नरमेंट आफ ग्रापन निविल बैंक रजिस्ट्रेशन सहायता) में आईटीसी/कार-1986 है।

जिन मामलों में तुम्ह रूपया रिगर्ड बैंक थाक इंडिया, नड़े विल्सन या स्टेट बैंक मार्क इंडिया, तीम हाजारी में सौर्ख्यजनक द्रवता सं. 132-प्राइटीसी (पीएन) / 71 दिनांक 5-10-71 के अनुसार महाव जमा करता है उसमें खातात की भूल रूप में एक प्रतिशेषि दैन आक टोटिहो गाँवा से प्राप्त सूखना दिघाणी का प्राप्ति दिवारा भेजा अधेयण पते महिन उत्तरे द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी आयगी।

महाराजा लेला तथा नेशा परीक्षा नियंत्रक,  
विरो मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग),  
दक्षिण मंजिल, पू.सी.ओ. यैक विलिंग,  
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001.

गिरि मामनों में तुल्य हथा ऊर गंकित सौर्वजनिक भूतता में, दिनांक 2-10-68 में यंगाउलिंबित दर्शनी कुण्डी द्वारा प्रेषित करता है उसकी गवानां उद्देश्यन पंते पर भेजी जासी जाहिए। सभी मामनों में, जमा किए गए तुल्य रूप का पुराणीय इस विमान को भेजता जाहिए।

मराठकों भगवान की तिथि में, और ओ.ई. सी. एफ. हारा उन्होंने प्रतिपूर्वि की तारीख तक के शोव के ममत के लिए बैठना आफ हड़िया को देय कराना प्रभाव भी देता है। आपके हारा भारत सरकार के खेड़े को प्रशासनी किए जिनमें वैकिंग सूची के प्रधान से भारत में शासातर के बैंक के नाम निपटना चाहिए।

२ विभाग - अपा विभाग-२

मार्ग शास्त्र सत्योगा विद्या

वैदिक भाषी विद्या ।-१ और दोस्री ।-१ के से,

प्रत्येक गोक्षिरे 100 खाता।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवार सचिव, आपात भनुभाग, विस मंत्रालय,  
आधिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

मंशदीप,  
(मेहमा अधिकारी)

अनुबंध—।

(प्रो.ई.सी.एफ. सी.-। प्रत्य)

अपरिवर्तनीय साख्यपत्र  
(नाम के लिए पाणी)

विनांक

यह साख्यपत्र (अंगो) और विवेशी

सेवा में

प्रिय महोदय,

श्राधिक महायोग निधि के बीच हुए

अट्ठ कारार सं.

(संभरक का नाम और पता विनांक..... के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्जनी हुणी द्वारा उपयोग रकम या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साख्यपत्र सं.

(..... येन कहु सकते हैं) की कुल धनराणि में श्रधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज के माध्यमें जाना है:—

हस्ताक्षित वाणिज्यक बीजक

इनी आत बोड, ममुरी पोत लवास विस जिसमें दिए गए आवेदों का पूरा सेट हो बैंक पुष्टांकित एवं चिह्नित “फेट एवं नोटिफार्ड” श्रम्य दस्तावेज जिसमें संख्या 19 के अन्तर्गत निकलवाया गया और आवात संबर्थ सं. (संब्याए) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एनद्वारा बचत देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसी गर्मी का अनुसालन करके निकलवाए गए सभी ड्राप्ट प्रमुख करते पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्णी पर विवित स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्यक न बलाया जाए कि क्रेडिट “यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डाकूमेंट्स क्रेडिट (1974 रिवीजन) हण्टरनेशनल बैंकर ग्राफ कामर, पब्लिकेशन सं. 290” के अधीन है। सौदा करते वाले बैंक के लिए विवेशी अनुदेशः—

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत आरी किए गए बचत पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विवेशी आधिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम बचत देते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार हुणी की धनराणि को लौटा देंगे।

2. सौदा करने वाले बैंक को यह बताते हुए हम ड्राप्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजे कि ऐसे दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा—को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्चे आयातक-संभरक के लेखे के लिए हैं।

मंशदीप,

(  
वाणिज्यिक बैंक

द्वारा

प्राधिकृत दस्तावेज

भुगतान प्राप्त

यह भुगतान हमारी साख्यपत्र सं.—का अभिप्राय अंग है।

1. ग्रामिक भुगतान

ध नराणि—येन जो कि कुल मंविद्वा मूल्य में—प्रतिशत ३

ग्रामिक दस्तावेज प्रस्तात करते की अंतिम तिथि

२. मध्यवर्ती भगतान (यदि कोई हो)

धनराशि—येत जो कि कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

यथा वित्त दस्तावेज प्रस्तुत करने की ग्रन्ति निषिद्ध

३. पोतलदान दस्तावेजों के मध्य भुगतान

धनराशि—येत जो कि कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी :—पोतलदान दस्तावेजों के मध्य पूर्ण भुगतान के मामले में इस संलग्न दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध—५

(श्री. ई. मी. एफ., एल. सी., प्रपञ्च-२)

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र अप्पी और विदेशी आर्थिक सहयोग निषिद्ध के बीच हुए झण करा सं।

(संभारक का ग्राम व पना)

दिनांक

के प्रत्यक्षरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको मूल्यित करते हैं कि हमारे मामले में निकालते के लिए पूर्ण और मूल्य के लिए साभकारी द्रापट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र में

(येत

पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा और परियोजना संबंधित दस्तावेजों को नहीं करना है सीधा तथा करने के लिए द्रापट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

ममी द्रापट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साखपत्र सं, दिनांक के अन्तर्गत भुगतान किए गए हैं, से चिह्नित होने चाहिए, येत औपट इस्तान्तर नीय नहीं है।

हम एटद्वारा वर्णन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों की अनुपालन में भुगतान गण सभी द्रापट प्रस्तुत करने पर और आवेदितों को सुपुर्यंगी पर विविध स्थिकाग किए जाएं।

जब तक अन्यथा रूप में विस्तार पूर्वक न बताया जाए, यह क्रेडिट, "मूनीफार्म कस्टम एवं प्रोफेट्स फार आकूमेंटरी क्रेडिट्स) 1974 डिवीजन इन्टरनेशनल बैंक द्वारा नं. 290" के अन्तर्गत है।

मोदा करने वाले बैंक को विशेष व आदेशः—

इसमें संलग्न प्रस्तुत के अनुसार (अप्पी और इसके मनोनीत अधिकारी द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची में के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के अन्याय साभकारी विवरण की आवश्यकता है।

उपर उल्लिखित झण ममक्षेत्र के अधिन जारी किए गए वर्चनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निषिद्ध केसे अपने भुगतान के लिए प्रतिवृत्ति प्राप्त करने के बाद हम द्रापटों की धनराशि का मोल तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार प्रेषित करने का वर्णन देते हैं।

३. उपर्युक्त भद्र १ में यथा उल्लिखित दस्तावेज की एक प्रति और मासोदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जायें।

४. इस साख पत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च संभरकों के लेखे के लिए हैं।

भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र सं; एक अधिक भाग है।

१. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि—येत

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

प्राप्तिन दस्तावेज साभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि

भुगतान वृद्धि

समूर्ण योग की धनराशि—  
कुल संविदा मूल्य का—  
निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है :—

देव धनराशि  
योग—  
पहली किस देव  
—  
—  
—

निम्न भुगतान निधि  
—  
—  
—  
—

अधिकारी दामादेव (जहाँ सबसे उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति गिम्बा एक प्रपत्र संलग्न है।

#### निष्पादन का विवरण

दिनांक—  
संदर्भ—

सेवा में

म नाम का नाम और पता—  
संदर्भ—अृण करार सं.—  
के प्रस्तरीत—पार्योगना से संबंधित—  
के नाम—में—योग के लिए—द्वारा जारी  
किए गए साम्बन्ध सं—

दिनांक—

म अष्टोहस्ताशी, प्रतिनिधि (श्री ज्ञानी एतद्वारा—  
शीथ समझौता सं.—  
दिनांक—  
में विहित भुगतान की शर्तों के—  
भनुमार आर्थिक भावायता निधि द्वारा—  
की धनराशि—  
प्राप्त करने के लिए, एक निष्पादन विवरण जारी करता हूँ।  
योग केवल)

( )

(ज्ञानी)

द्वारा—  
(प्राधिकारी स्वाक्षर)

विशेष अनुच्छेद :—

आस्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न शीट से इण्डिया जाएगा।

MINISTRY OF COMMERCE  
IMPORT TRADE CONTROL  
PUBLIC NOTICE NO. 81-ITC(PN) |88-91

New Delhi, the 25th November, 1988

**Subject :** Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 43.552 Billion for implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project of NEEPCO extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

File No. IPC|23 (49) |88-91.—The terms and conditions governing import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 43.552 Billion for implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project of NEEPCO extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

K. V. IRNIRAYA,  
Chief Controller of Import & Exports.

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 81-ITC(PN)|88-91 dt. 25-11-1988

LICENCING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 43.552 BILLION FOR IMPLEMENTATION OF THE ASSAM GAS TURBINE POWER STATION AND TRANSMISSION LINE CONSTRUCTION PROJECT OF NEEPCO EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPFRATION FUND (OECF) OF JAPAN.

Section I—General Conditions.

I (i) The Govt. of Japan have extended a Yen Credit of Yen 43.552 Billion, through the OECF, for implementation of the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project of NEEPCO as follows :-

- (i) OECF Loan No. IDP. 42 dt. 18-3-87 = Yen 30.00 Billion.
- (ii) OECF Loan No. ID-P. 46 dt. 10-2-88 = Yen 13.552 Billion.

Total = Yen 43.552 Billion

The OECF Loan of Yen 43.552 Billion for financing the import requirements of the Project is untied in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as

have been specifically cleared by the DGTD|CG Committee. The value of Import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 47.907 Billion (CIF).

The rupee value of the Import Licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Deptt. of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974; issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 42|ID-P. 46". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to NEEPCO a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import Licence(s) can be issued only in favour of NEEPCO on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 47.907 Billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of EA (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Order" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete

contract documents reach the Ministry of Finance Department of Economic Affairs, (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of Credit acceptance of deposits of the rupee equivalent etc. in respect of supply contracts entered into under the import Licence, from the expiry of the import licence. Individual payment must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of .....

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-92.

#### Section II- Special Points to be kept in view while negotiating a supply contract.

**II(i)** The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

**II (ii)** Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

- In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
- Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procure-

ment procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

- Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.
- In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation report etc. will be submitted to OECF for its review.
- When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all of the following conditions.
  - A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible source Countries.
  - A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible source Countries;
  - Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible source countries.
- Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—
  - Terms of Reference.
  - Short List of Consultants.
  - Letter of Invitation.
  - Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.
  - Draft contract.
- The following declaration as to the eligibility of the consultant, signed and dated by the consultant, shall be attached to each contract :
 

(e) The following declaration as to the eligibility of the consultant, signed and dated by the consultant, shall be attached to each contract :

"I, the undersigned, hereby certify that, \_\_\_\_\_ (name of the firm) has been incorporated and registered in \_\_\_\_\_ (name of the Eligible source country concerned), and is an eligible consulting firm, \_\_\_\_\_ percent (%) \_\_\_\_\_ of the subscribed shares being held by nationals of \_\_\_\_\_ (name of the Eligible source countries concerned) and \_\_\_\_\_ percent (%) of the fulltime directors being nationals of \_\_\_\_\_ (name of the Eligible source countries concerned)"

- (f) the application/document mentioned in (a)  
 (I) (a), (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 42 & ID-P. 46 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

#### II (v) Eligibility of supplier.

The suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juristic persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

#### II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae:

#### IMPORTED CIF PRICE + IMPORT

Duty × 100 Suppliers FOB Price, (in case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted)

#### II (vii) Declaration in contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in ... (name of the eligible source country).

I the undersigned further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty percent (30%) in accordance with the following formulae :

#### IMPORTED CIF PRICE + IMPORT

Duty × 100 Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that ----- (Name of Company) has been incorporated and registered in ----- (Name of eligible source country, and is controlled by Nationals of ----- (name of eligible source countries concerned)"

#### Section III - Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th March, 1987 concerning the Yen Credit No. ID-P. 42 and ID-P. 46 dt. 10-2-1988 (Project Aid) for the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project.
- (b) Payments to the suppliers shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 42 and ID-P. 46 dt. 10-2-88 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the suppliers is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

#### Section IV : Review of Contract by OECF.

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L. A" in the form in Annexure-II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Dept. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A

copy each of the Notice of Conclusion of Contract Accompanied by the contract will also be sent by Department of E. A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L. A." and photocopy of import Licence.

#### Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of Credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to Services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letter of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would op so facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the controller of Aid Accounts, Ministry of Finance, Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the re-imbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas supplier to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

#### V (v) Reimbursement procedure.

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

#### Section VI—Responsibility for rupee deposit.

The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S. B. I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalent of the Yen payment calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i. e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangement to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)|74 dated 8-8-1974 and 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-76 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the sary. It will be the responsibility of the Indian Bank rate of interest will be notified as and when neces-

concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CC&E so that no further report licence is issued to such an importer. The head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-813-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan-Yen Credit No. I.D. P.42 & I.D. P. 45 for the Assam Gas Turbine Power Station and Transmission Line Construction Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government other in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN) 68 dated 24-10-68, No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-71, No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the Column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challan :-

- Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from

the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance, (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

### Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of Credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid and Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament St., N. Delhi.

VIII (ii) Notifying suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contracts.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 42 and ID-P. 46 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures.

Annexure—I : List of eligible source countries.

Annexure—II : Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III : Form of Letter of Authority.

Annexure—IV : Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V : Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

## ANNEXURE I

## LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES.

## A. Developing countries and Territories.

## (a) Non-OPEC Developing Countries

## I AFRICA, North of Sahara

Egypt  
Morocco  
Tunisia

## II. AFRICA, South of Sahara

Angola  
Benin  
Botswana  
Burundi  
Cameroon  
Cape Verde Islands  
Central African Rep.  
Chad.  
Comoro Islands  
Congo, People's Republic  
of Dahomey  
Equatorial Guinea (1)  
Ethiopia  
Gambia  
Ghana  
Guinea  
Ivory Coast  
Kenya  
Lesotho  
Liberia  
Malagasy Republic  
Malawi  
Mali  
Mauritania, Mauritius  
Mozambique  
Niger.  
Portuguese Guinea,  
Reunion  
Rhodesia  
Rwanda  
St. Helena and Dep (2)  
Sao Tome and Principe  
Senegal  
Seychelles  
Sierra Leone  
Somalia  
Sudan.  
Swaziland  
Terro, Afars and Issas  
Togo  
Uganda  
Un. Rep. of Tanzania  
Upper Volta  
Zaire Republic  
Zambia.

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristanda Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

## III. AMERICA, North and

Colt.  
Bahamas  
Barbades  
Belize  
Bermuda  
Costa Rica  
Cuba  
Dominican Republic  
El Salvador  
Guadeloupe  
Guatemala  
Haiti  
Honduras  
Jamaica  
Martinique  
Mexico  
Netherlands Antilles  
Nicaragua  
Panama  
St. Pierre & Miquelon  
Trinidad and Tobago.

## III. AMERICA, North &amp; Central.

West Indies (Br) n. i. c.  
(a) Associated States (1)  
(b) Dependencies (2)

## IV. AMERICA, South

Argentina  
Bolivia  
Brazil  
Chile  
Colombia  
Falkland Islands  
French Guiana  
Guyana  
Paraguay  
Peru  
Surinam  
Uruguay

## V ASIA, Middle East

Bahrain  
Israel  
Jordan  
Lebanon  
Oman  
Syrian Arab Republic  
United Arab Emirates (3)  
Yemen Arab Republic  
Yemen, People's D. R. (4)

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenda, St. Kts. (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and St. Vincent.

3. Ajman, Dubari, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.

## VI. ASIA, South

Afghanistan  
Bangladesh  
Bhutan  
Burma  
India  
Maldives  
Nepal  
Pakistan  
Sri Lanka

Ecuador  
Venezuela  
Iran  
Iraq  
Kuwait  
Qatar  
Saudi Arabia  
Abu Dhabi  
Indonesia.

## VII. ASIA, Far East.

Brunei  
Hong Kong  
Khmer Republic  
Korea, Republic of  
Laos  
Macao  
Malaysia  
Philippines  
Singapore  
Taiwan  
Thailand  
Tunisia  
Viet-Nam, Rep. of  
Vietnam, Dem. Rep.

## REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001.

Sub : Import of \_\_\_\_\_ From \_\_\_\_\_ under the  
Yen Credit No. ID-P. \_\_\_\_\_ (Project Aid  
for 198-8).

Sir,

In connection with the import \_\_\_\_\_ from \_\_\_\_\_ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. \_\_\_\_\_ (Project Aid) We furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the \_\_\_\_\_ (Name of the Bank) which should be the same as given in (P) by few for opening a letter of Credit in favour of the overseas supplier concerned.

- Name and Address of the Indian importer.
- Number, date and value of the importer licence and date upto which it is valid.
- Method of procurement-whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- Brief description of the goods.
- Origin of the goods.
- percentage of the import components from noneligible source countries, if any.
- Gross FOB|C&F value of contract (in Yen).
- Amount of Indian agents commission (in Yen) if any.
- Net FOB|C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- Number and date of the contract with overseas suppliers.
- Name and address of the Overseas supplier :

## IX. EUROPE.

Cyprus  
Gibraltar  
Greece  
Malta  
Spain  
Turkey  
Yugoslavia

## (a2) Member of Association Countries of OPEC.

Algeria  
Bolivia  
Libyan Arab Republic  
Gabon  
Nigeria

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marian Islands (except Guam)

- (l) Payment terms and probable dates of which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's Bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers|or supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the matter and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

#### ANNEXURE III

(Letter of Authority Form)

F. No.

Government of India  
Ministry of Finance  
Department of Economic Affairs  
New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch  
Tokyo (Japan).

Sub : Import under Yen Credit (Project Aid) Loan  
Agreement No. ID-P. \_\_\_\_\_ Issue of Letter  
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980—entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for a amount not exceeding Yen \_\_\_\_\_ favouring M/s. \_\_\_\_\_ as per attached details.

2. A copy of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediate reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to \_\_\_\_\_ (Name and address of the importer's Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and changes of overseas supplier bankers if any, are to be borne by the overseas supplier|Importer and may, therefore, be recovered from the supplier|importer directly. No reimbursement of such charge is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid up to \_\_\_\_\_.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,  
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :-

I. Importer \_\_\_\_\_ with reference to their letter No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery or the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importer's Banker ..... This has reference to Import Licence No. ..... dated .....

This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen Credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas supplier on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas supplier in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN) |76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government of India account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN) |83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i. e. the day on which payment is made to the overseas suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 181-ITC(PN) |68 dated 30-8-1968, 233-ITC(PN) |68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN) |71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN) |74 dated 31-5-1974 and No. 163-ITC(PN) |76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits--Deposits for purchases etc. abroad under purchases under Credit/Loan Agreements"--Loans from the Government of Japan \_\_\_\_\_ billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. \_\_\_\_\_ for 1988)

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN) |71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalent are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the suppliers and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Code Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

## ANNEXURE—IV

Form OECF—LC I

## Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date:

To \_\_\_\_\_ This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_  
 Dated \_\_\_\_\_ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of \_\_\_\_\_ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_ (Say yen \_\_\_\_\_) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. \_\_\_\_\_ (if any) from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ Partial shipments are permitted. Transhipment is \_\_\_\_\_ permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under \_\_\_\_\_ irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ and Import Reference No. (s) \_\_\_\_\_ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on the presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290."

## Special Instructions to the negotiating banks

- After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
- The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to \_\_\_\_\_

- All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By:-

(Authorised Signature)

## PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_

## I. Initial Payment

Amount : Yen \_\_\_\_\_ being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

## Required documents:

Latest presentation date:

## II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen \_\_\_\_\_ being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

## Required documents:

Latest presentation date:

## III. Payment against shipping Documents

Amount: Yen \_\_\_\_\_ being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

## ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

## Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

To _____	Date: _____
_____	This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____
(Name and address of the Supplier)	dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_ (Say Yen \_\_\_\_\_) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. \_\_\_\_\_ with regard to \_\_\_\_\_ Project) Drafts must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. \_\_\_\_\_".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instruction to the negotiating bank :

- After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payment the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
- After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
- A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
- All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Your faithfully,

\_\_\_\_\_  
(A commercial bank)

By: \_\_\_\_\_  
(Authorized Signature)

#### PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_.

#### I. Initial Payment

Amount : Yen \_\_\_\_\_

being \_\_\_\_\_ % of the total contract price Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date :

#### II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total  
contract price to be paid as follows  
Amount due Latest presentation

1st Instalment : Yen \_\_\_\_\_

2nd Instalment : Yen \_\_\_\_\_

Required document : A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of performance

Date :

Ref. No. \_\_\_\_\_

To \_\_\_\_\_

(Name and address of the supplier)

Re : Letter of Credit No. \_\_\_\_\_, dated \_\_\_\_\_  
issued by \_\_\_\_\_  
for Yen \_\_\_\_\_ in favour of \_\_\_\_\_  
concerning \_\_\_\_\_  
Project under Loan Agreement No. \_\_\_\_\_.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle \_\_\_\_\_ to receive the sum of Yen \_\_\_\_\_ (yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. \_\_\_\_\_, dated \_\_\_\_\_, between \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_.

(Borrower)

By : \_\_\_\_\_

(Authorized Signature)

#### Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

